

बचाने वाला अनुग्रह क्या है?

उद्धार के बारे में प्रश्न

एक मुहावरे के रूप में, "बचाने वाले अनुग्रह" को "छुटकारे की गुणवत्ता" के सन्दर्भ में लिया जाता है, जो किसी व्यक्ति या वस्तु को स्वीकार्य बनाता है। परन्तु यह बाइबल का अर्थ नहीं है। बाइबल में शब्द अनुग्रह या कृपा का अर्थ "मनुष्यों को उसके नवजीवन या पवित्रता के लिए शर्तरहित अनमोल ईश्वरीय सहायता" या "अयोग्य व्यक्ति के ऊपर परमेश्वर की परोपकारिता" से है। बाइबल आधारित हो कहना, "बचाने वाला अनुग्रह" परमेश्वर की वह कृपा है, जो एक व्यक्ति को बचाती है।

पवित्रशास्त्र कहता है कि अनुग्रह, प्रभु की न कमाई हुई कृपा, अनिवार्य रूप से मिलती है, "क्योंकि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी उसके सामने धर्मी नहीं ठहरेगा" (रोमियों 3:20 हिन्दी बी एस आई बाइबल)। परमेश्वर के बचाने वाले अनुग्रह को प्राप्त करने का एकमात्र तरीका केवल मसीह में विश्वास के माध्यम से है: "परन्तु अब व्यवस्था से अलग परमेश्वर की वह धार्मिकता प्रकट हुई है...जो यीशु मसीह पर विश्वास करने से सब विश्वास करने वालों के लिए है" (रोमियों 3:21-22 हिन्दी बी एस आई बाइबल)।

हमारी पवित्रता में बचाने वाला अनुग्रह वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा परमेश्वर हमें मसीह के स्वरूप के अनुरूप बनाता है। उद्धार के क्षण में विश्वास के द्वारा अनुग्रह से, परमेश्वर हमें नई सृष्टि बनाता है (2 कुरिन्थियों 5:17)। और वह अपनी सन्तान को कभी न त्यागने की प्रतिज्ञा करता है: "मुझे इस बात

का भरोसा है कि जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा" (फिलिप्पियों 1:6)।

हमारे पास स्वयं में कुछ भी अच्छा नहीं है, जो हमें परमेश्वर के लिए अनुशंसित करे (रोमियों 3:10-11) — हमारे पास स्वयं में "बचाए जाने वाला अनुग्रह" नहीं है। परमेश्वर के सामने मौलिक रूप से अस्वीकार्य होने के नाते, हम यीशु के शिष्यों के साथ पूछते हैं, "हम कैसे बचाए जा सकते हैं?" यीशु का उत्तर हमें आश्चस्त करता है: "जो मनुष्य ले नहीं हो सकता, वह परमेश्वर से हो सकता है" (लूका 18:26-27)। उद्धार परमेश्वर का काम है। वह हमें जिस अनुग्रह की आवश्यकता होती है, उसे प्रदान करता है। हमारा "बचाने वाला अनुग्रह" स्वयं मसीह है। क्रूस पर उसका किया हुआ काम ही है, जो हमें बचाता है, न कि हमारी योग्यता।

यह सोचना आसान है कि हमारे विश्वास के द्वारा, हम अपने उद्धार के लिए कुछ छोटे तरीके से योगदान देते हैं। अन्ततः, मसीह की योग्यता हमें विश्वास से अपने जीवन में लागू करनी चाहिए, और ऐसा प्रतीत होता है कि हमारा विश्वास हमारी ओर से आता है। परन्तु रोमियों 3:10-12 कहता है कि हम में से कोई भी परमेश्वर की खोज नहीं करता है। और इफिसियों 2:8 कहता है कि, "क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है; और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है।" इब्रानियों 12:2 यीशु हमारे विश्वास का कर्ता और सिद्ध करने वाला है। परमेश्वर का बचाने वाला अनुग्रह पूरी तरह से उसकी ओर से दान है। यहाँ तक कि उसके बचाने वाले

अनुग्रह को स्वीकार करने की हमारी योग्यता भी परमेश्वर की ओर से एक और दिया जाने वाला दान है।

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-saving-grace.html> | English: <https://www.gotquestions.org/saving-grace.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org